

taken place—in the Raniganj Coal belt area—and what was the nature of the accidents and how many casualties were there?

**PROF. SIDDHESHWAR PRASAD:**

Just now, I do not have the figures the hon. Member has asked for. But, as far as safety operations and safety measures in the mine areas are concerned, they have been greatly improved. We have been taking steps in consultation with the D.G.M.S. to see that such accidents do not occur and wherever such accidents occur, we go into details. We take all the remedial measures to see that in future no such accidents take place.

**SHRI TRIDIB CHAUDHURI.** With regard to the Raniganj coal area, apart from the usual operational problems and hazards one, of the persistent dangers there is spreading of underground fire in some mines and subsidence. It has been observed by competent people that so far as sand-stowing and other things are concerned they are not upto the standard everywhere, and that has created a very extensive problem of subsidence, particularly subsidence of the ground soil in Jharia area, and the safety of the Jharia town is also said to be threatened. I would like to know from the Minister whether, apart from the Committee, these particular problems are being attended to by the Energy Department?

**PROF. SIDDHESHWAR PRASAD:** Coal India is aware of the fact that there are some fires underground in the mines and all measures have been taken. As far as Jharia is concerned, there is no danger due to fire in coal mines. This aspect has been looked into by the competent authority.

**SHRI TRIDIB CHAUDHURI:** Sir, before he makes the statement regarding Jharia, I will suggest to the Minister to check-up the facts.

**PROF. SIDDHESHWAR PRASAD:** This question was raised in the last Session and the experts are of the view that as far as Jharia town is concerned there is no danger.

#### SHORT NOTICE QUESTION

काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस गाड़ी में डकैती

2. श्री नानोश्वर द्विवेदी: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिनांक 24/25 मार्च, 1976 की रात्रि को हरदोई और शाहजहाँपुर के बीच चलती हुई काशी-विश्वनाथ एक्सप्रेस गाड़ी में डकैती डाली गई :

(ख) क्या डाकुओं के साथ मूठभेड़ हुई थी ;

(ग) कितने डाकू पकड़े गये तथा कितने मारे गए; और

(घ) अब तक की गई जांच के क्या निष्कर्ष निकले हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes, Sir, on the night of 25/26th March, 1976 and not on the night of 24/25th March, 1976.

(b) One passenger opened fired on the dacoits in self defence.

(c) 5 dacoits were arrested and 4 died.

(d) In addition to the arrest of 5 culprits, looted property has been recovered. Further investigation by Police is in progress.

**श्री नामेश्वर द्विवेदी :** क्या मंत्री श्री बतलाने की कृपा करेंगे कि काशी-विश्वनाथ एक्सप्रेस में उस दिन पुलिस की व्यवस्था थी या नहीं और ईकेतः पड़ने के कितनी देर बाद पुलिस वहाँ पर पहुँची ? यात्रियों से मुकाबले में कितने डाकू मारे गये और कितने पाड़ी से कूद कर मरे और जिन यात्रियों ने डाकुओं का मुकाबला किया, उन को भारा और पकड़ने की सहायता की, उन लोगों को प्रोत्साहन देने के लिए क्या सरकार ने कोई व्यवस्था की है ?

**श्री मुहम्मद शाफी कुरैशी :** अध्यक्ष महोदय, जब यह गाड़ी हरदोई स्टेशन पर पहुँची, तो उस में 9, 10 डाकू डिब्बे में दाखिल हुए और उन्होंने यात्रियों को लूटना शुरू किया। उन के पास हथियार थे और रिवाल्वर थे। एक यात्री, जिस का नाम जगदीश लाल ठीगरा है, उस के पास एक ल.इसेन्समुदा रिवाल्वर था। उस ने उस से फायर किया जिस की वजह से कुछ डाकू जर्मी हुए और कुछ चबराकर खिड़कियों से कूदे। उस की वजह से तीन डाकू तो मीके पर मर गये और पांच जर्मी हुए। पुलिस क्रौरल मीके पर पहुँची और जो डाकू रेलवे लाइन पर जर्मी पड़े हुए थे, पुलिस ने वहीं पर उन को गिरफ्तार किया। उन डाकुओं के पास कुछ कट्टोभेड रिवाल्वर और कार्टरिज मिले। एक डाकू बाबू खाँ, जो जर्मी था, उस की अस्पताल जाते बक्स मुसु हो गई। फ़ाइरिंग की वजह से कोई डाकू नहीं मारा गया बल्कि चलती गाड़ी में से जो डाकू कूदे उनमें से कुछ मर गये और कुछ जर्मी हुए।

**अध्यक्ष महोदय :** प्रोत्साहन के लिए सरकार ने क्या किया है, यह भी बता दीजिए ?

**श्री मुहम्मद शाफी कुरैशी :** जिस घादमी के वहाँ ऑरकन-डिफ़ेन्स में गोली चलाई है उस

को कुछ इनाम दिया जाए, यह मामला जेरे-गीर है।

**श्री नामेश्वर द्विवेदी :** क्या माननीय मंत्री जी यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जो डाकू पकड़े गये या मारे गये हैं, उन में से कितने छात्र थे और कितनों का सम्बन्ध सम्पन्न परिवारों से था ?

**श्री मुहम्मद शाफी कुरैशी :** जो डाकू मारे गये हैं उन में से एक भोम प्रकाश अवस्थी है, जो हरदोई के रहने वाले हैं, दूसरे रिवाल्ब सिंह हैं। वे भी हरदोई के रहने वाले हैं। तीसरे गोरख नाथ है, वे फर्रुखाबाद के हैं और बाबू खाँ क्लाइट गंज के हैं। जो डाकू गिरफ्तार हुए हैं, उन में महमूब हसन हरदोई का है, मोहन लाल भी हरदोई का है, भोम प्रकाश गुप्ता भी हरदोई का हैं मुरेश फर्रुखाबाद का है और रिछपाल सिंह बरेली का है और यह हाईडिल डिपार्टमेंट में काम करता है

**श्री एस० एम० बनर्जी :** अध्यक्ष महोदय, यह काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस का प्रश्न था, इसलिए एडमिट हो गया, इस के लिए बधाई देना चाहता हूँ लेकिन सवाल यह है कि इस तरह की चोरिया, डकैतिया, ट-टायर में ग्राजकल हरदम हो रही हैं कंबल पिस्तील के जोर से ही नहीं बल्कि ऐसे भी चोरियां हो रही हैं और लोग पुलिस को इसलिए रिपोर्ट नहीं करते हैं कि वे सं.चने हैं कि एक मुसीबत से बचे तो दूसरी में पड़ जायेंगे। मैं जानना चाहता हूँ कि उन पैसेजनों के लिए, जो सीबेन्ड क्लास में ट्रेविल करते हैं, उन की डिफ़ाजत का आप ने क्या इन्तजाम किया है ? पहले यह सुनते थे कि पुष-बटन टाइप की कोई चीज लगाई जाएगी ताकि पुलिस को इतिला हो जाए। इस लिए सरकार ने कोई व्यवस्था की है ?

श्री मुहम्मद अली कुरेशी : नार्मली तो गाड़ियों में एलार्च बोन लगी हुई है लेकिन यह कोशिश की जा रही है कि जितनी भी लाग बिस्टेज की गाड़ियाँ हैं जिन में लोग रात में सफर करते हैं, उन में लोगों की हिफाजत के लिए पुलिस एस्कोर्ट दिया जाए ।

दूसरी बात यह भी बताना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ जो धार०पी०एफ० है, उस को किसी को गिरफ्तार कर के मुकदमा चलाने की पावर नहीं थी । अब हम होम मिनिस्ट्री से इस्तजा कर रहे हैं कि धार०पी०एफ० को ऐसी पावर दी जाए । धरर ऐसी पावर उस को मिल जाती है, जैसी कि हमे उम्मीद है, तो धार०पी० एफ० इन्वेस्टिग तरीके के रेल चोरी का मुकाबला कर सकेगी ।

**SHRI N. K. SANGHI** Since most of these dacoits have been caught alive, naturally the whole conspiracy should have been known very clearly by now. What is the reason for the inordinate delay in booking them? Is this sort of operation widespread in the country or is it operating in some parts? Have the Railways been able to lay their hands on some other culprits connected with this particular gang?

**SHRI MOHD SHAFI QURESHI** When they were caught, they were badly injured. They were in hospital for some time and naturally their statements could not be recorded earlier. We suspect this is part of an inter-district gang and the police are making a thorough investigation

श्री नरसिंह नार.स.न. चौधरी : क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि इन इन्विस्टे से पहले भी इन जगहों में पिछले दिनों डकैतियाँ हुई हैं ? मैं यह कहना चाहता हूँ कि बहा पर पश्चिमी जिलों का एक बाल एरिया है जहाँ पर इस तरह के लोग दिव्यों में चढ़ते हैं और कभी जनाने दिव्यों में और कभी नयनि दिव्यों में घुस कर

लोगों को और पहुँचाते हैं । तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि कोई विशेष व्यवस्था रेलवेर तरीके से बकिंग की ट्रेनों में, जोकि रात के समय जाती हैं, प्राय कर रहे हैं और क्या प्राय ने स्टेट गवर्नमेंट से ऐसे स्टेशनों पर बकिंग के लिए लिजा-गड़ी की है जिस के गाड़ियों की सुरक्षा की व्यवस्था हो सके ?

श्री मुहम्मद अली कुरेशी : इन बारे में श्री मिनिस्टर्स से बातचीत होती रहती है, कुछ ट्रेनों में जो डकैती के बाकयात हुए हैं, उनकी रोकथाम कैसे की जाय, इस बात के लिए रेलवे मंत्री श्रीक मिनिस्टर्स की एक मीटिंग बुला रहे हैं । लम्बी यात्रा वाली गाड़ियों में एस्कोर्ट रखने के इनजाम किये जायेंगे और जो एरियाज प्राइडें टिकाई किये गये हैं उनके स्टेशनों पर पेट्रोलिंग बडा दी जायेगी । रेलवे इस बारे में खामोश नहीं बँडती ।

श्री नाचुराम अहिरवार अध्यक्ष महोदय, जब से आधात्कालीन स्थिति देस में छाई है तब से बाहर नो मव कुछ ठीक है लेकिन जहाँ तक रेलवे का सबाल है, रेलवे में डकैती और लूटपाट की घटनाएँ बढ़ी हैं । क्या यह सही है कि कुछ आगरनाइज्ड गेम्स हैं, कुछ ऐसी सस्थाएँ हैं जिनके लोग बाहर तो गडबडी नहीं कर पाते वे अब रेलों में यह सब कुछ कर रहे हैं ? साबरमती एक्स्प्रेस दो बार कानपुर के पास लूटी गई, बीना के पास पेतोजर गाड़ी में बिस्फोट हुआ । इनका प्राय तक पता नहीं चला । क्या सरकार कुछ इंतजाम करने वाली है कि कुछ लूटने वाले लोग रेलों में जाकर मुसाफिरों के साथ ताक खेलने लगते हैं उनसे लोगों को बचाया जाय ? मेरे एक साथी श्री पिछले सप्ताह घोपाल जा रहे थे । वे जनपद बचावत के अध्यक्ष हैं । उनके पास गाड़ी में दो आदमी प्राय और उनसे ताक खेलने के लिए कहा । उन्होंने ताक खेलने के मना

कर दिया। इसके बाद वो आदमी उनसे पास और जाने और उन्होंने भी रुपये के नोट तोड़ने के लिए उनसे कहा। उनके पास बस-बस रुपये के तैयार नोट थे, वे नोट बाकू दिखा कर उनसे छीन कर ले गये। धार० पी० ए० के आदमी वहाँ बैठे थे, उन्होंने कुछ नहीं कहा। क्या पुलिस को इस प्रकार की हिदायत है कि जो लोग इस तरह की गड़बड़ करते हैं वह उनको रोके ?

श्री मोहम्मद शाफी कुरेशी सर, जो बन बने रह हैं, उनकी तदाह पहले से कम हुई है और बाकयात भी कम हुए हैं। लेकिन इन कम बाकयात को भी रोकना जरूरी है। अगर कोई मुसाफिरो को ताम खिलाने में मग्न रूखे और फिर लूटे ना इनकी एतिहायात तो यात्रियों को करना पड़ेगी।

श्री मोहम्मद इस्माईल आपने वायदा किया है कि पुलिस गाडिया में दो जायगी और तमाम इतजाम किया जायगा। अगर मैं यह पूछना चाहता हू कि क्या आप यह नोटिस लगाने के लिए तैयार हैं कि जो यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं, उनको अगर शक हो कि कोई डकैन है या चार तो वह उनके बाने में खबर दे दे ऐसा और इतजाम हो कि उसकी फौरन इकवायरी हो जाय। क्या यात्रियों को यह अधिकांश देने का ऐसा कोई इतजाम करना चाहते हैं कि जिस पर उन्हें शक हो जाय, वे फौरान जाकर उसके बारे में इतिला कर सकें ?

श्री मोहम्मद शाफी कुरेशी ऐसी हिदायत है। अगर कोई आदमी यह महसूस करता है कि कोई खतरनाक किमनस बैठा हुआ है तो वह उसके बारे में रिपोर्ट कर सकता है।

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Procurement target of wheat for next crop

\*461. SHRI ARVIND M. PATEL:  
SHRI VEKARIA.

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether any target has been fixed for the procurement of wheat for the next crop, and

(b) if so, targets fixed, State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE) (a) and (b). Yes, Sir. A statement is laid on the Table of the Sabha

### Statement

State	('000 tonnes)	
	Procurement targets of wheat for 1976-77	
Bihar	100	
Gujarat	50	
Haryana	500	
Jammu & Kashmir	18	
Madhya Pradesh	200	
Maharashtra	100	
Punjab	2,500	
Rajasthan	200	
Uttar Pradesh	1,200	
Others	30	
All India	5,198	